සෞන්දර්ය කලා විශ්වවිද්‍යාලය

ප්‍රාසංගික කලාවේදී (ගෞරව) උපාධි අවසාන වසර පරීක්ෂණය 2019/2020

නර්තන හා නාට්‍ය කලා පීඨය

හින්දී භාෂාව - DIAK 41042

Registration No: ……………………..

	1	2	3	4	5	6	7	Total
1st Marker								
2nd Marker								

කාලය :- පැ 03

සැ.යු :- පිළිතුරු ලිවීම ආරම්භ කිරීමට පෙර දී ඇති උපදෙස් හොඳින් කියවන්න.

- මෙම ප්‍රශ්න පත්‍රය ප්‍රශ්න හයකින් (06) සමන්විත ය.
- ප්‍රශ්න පහකට (05) පමණක් පිළිතුරු සපයන්න.
- පිළිතුරු සැපයීම සඳහා පිළිතුරු ලියන පොත භාවිත කළ යුතු ය.
- සෑම ප්‍රශ්නයකටම සමාන ලකුණු ලැබේ.

केवल पाँच प्रश्नों के उत्तर लिखिए ।

1) निम्नलिखित मीरा भजन का सरल अर्थ सिंहली में लिखिए । **(20 अंक)**

a) प्रभुजी मी नैन बाण पड़ी ॥

चित्त चड़ी मेरे माधुरी मूरत,

उर बिच आन अड़ी ॥

कबकी ठाढ़ी मैं पंथ निहरूँ,

अपने भवन खड़ी ॥

कैसे प्राण पिया बिनु राखूँ,

जीवन मूल जड़ी ॥

मीरा गिरघर हाथ बिकानी,

लोग कहैं बिगड़ी ॥

बाण = तीर / अदत उर = हृदय जीवन मूल = संजीवनी बूटी

P.T.O.

b) बीत गये दिन रैन, भजन बिना रे ॥
बाल अवस्था खेल गँवायो,
जब जवानी तब मान घना रे ॥
काहे कारन मूल गँवायो,
अजहुँ न गई मनकी तृसना रे ॥
कहत कबीर सुनो भाई साधो
पार उतर गये सन्त जना रे ॥

घना = बहुत तृसना = प्यास

c) बदल देख डारी हो श्याम, मैं बादल देख डरी ॥
काली पिली घटा उमदी, बरसो एक धरी ।
जित जाऊँ तित पाणी हुई हुई भोम हरी ॥
जाके पिया प्रदेस बार हैं भी जूँ बहर खड़ी ।
मीरा के प्रभु हरि अविनासी कीजो प्रीत खरी ॥

तीत = कहाँ-वहाँ उमड़ी = फैला हुआ धरी = भूमि

हरी = एक वर्णवृत्त जो चौदह वणों का होता खरी = ठीक, शुद्ध

2) निम्नलिखित गज़ल का सरल अर्थ और भावार्थ सिंहली में लिखिए । (20 अंक)

चुपके चुपके रात दिन आँसू बहाना याद है ।

हमको अबतक आशिक़ी का वो ज़माना याद है

तुझसे मिलरे ही वो कुच्छ बेबाल हो जाना मेरा

और तेरा दाँतों में वो उँगली दबाना याद है

हमको अबतक आशिकी का वो ज़माना याद है

चोरी चोरी हमसे तुम आकर मिले थे जिस जगह

आकर मिले थे जिस जगह नुद्दते गुज़ारीन पर

हमको अबतक आशिकी का वो जमाना यास है ।

P.T.O.

3) निम्नलिखित गद्यांश पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर हिन्दी में लिखिए । (20 अंक)

भारत एक ऐसा देश है जहाँ अनेक धर्मों को मानने वाले रहते हैं । उनकी भाषा वेशभूषा खान-पान अलग अलग होते हुए भी प्रेम से एक साथ रहते हैं । उनके अपने अपने त्यौहार हैं । क्रिसमस एक ऐसा ही त्यौहार है जो ईसाई जाति के लोगों द्वारा मनाया जाता है । हिन्दुओं के कृष्ण जन्माष्टमी के त्यौहार से मिलता जुलता यह त्यौहार दिसम्बर माह की २५ वीं तारीख को पड़ता है । ईसाई धर्म के प्रवर्तक जीसस के जन्म दिन की स्मृति में मनाया जानेवाला यह त्यौहार भारत के अलावा कई बड़े बड़े देशों में मनाया जाता है।

ईसाई धर्म के मानने वालों के पैगम्बर ईसा मसीह का जन्म जेरूशलम के बैतलहम गाँव में हुआ था। इनके पिता जोसफ जाति के यहूदी थे, माता का नाम परियम था । इस पवित्र आत्मा के जन्म की सूचना दैवीय प्रभाव से दूर दूर तक फैली और बड़े बड़े धार्मिक पुरूषों ने आकार ईसा मसीह के चरणों में सिर झुका दिया । यह दिन आज तक एक पर्व के रूप में मनाया जाता है । इस दिन सभी लोग बहुत प्रसन्न नज़र आते हैं घरों में सफाई कर नए व्यंजन बनाना एक दूसरे से प्रसन्नता पूर्वक मिलना आदि पर्व की आकर्षक बना देता है । सुबह से लोग गिर्जाघरों में एकत्रित होने लगते हैं । आधी रात्री से लेकर दूसरे दिन तक लोग राग रंग में डूबे रहते हैं ।

कुछ घरों में क्रिसमस ट्री को बनाया व सजाया जाता हि । जिसके चारों ओर खड़े हो सभी सुख समृद्धि के गीत गाते हैं । बच्चे इस दिन सेन्त निकोलस के आने की प्रतीक्षा करते हैं उन की धारणा है कि वे बच्चों को तरह तरह की मिठाइयाँ व खिलौने देते हैं ।

हिन्दुओं के दीपावली की तरह सुख समृद्धि का तथा होली की तरह एक दूसरे के द्वेष को भुला कर गले मिलने का यह तयौहार मनुष्य को मनुष्य के नजदीक लाने का प्रयास है । यह पर्व सुख, शांती का संदेशवाहक है ।

i. उक्त निबंध के लिए उचित शीर्षपाठ लिखिए । (5 अंक)
ii. यह पर्व कैसे मनाया जाता है ? (5 अंक)
iii. बच्चे सेन्त निकोलास के आने की प्रतीक्षा क्यों करते हैं ? (5 अंक)
iv. इस निबंध के अनुसार त्यौहार मनाने की अभिलाषा बताइए ? (5 अंख)

4) नीचे लिखे किन्ही पाँच क्रिया विशेषण के अर्थ लिख कर इनसे पाँच वाक्य बनाइए । (20 अंक)

(i) कभी-कभी (ii) खूब (iii) धीरे-धीरे (iv) ज्यादा (v) हमेशा

5) A. नीचे लिखे गये शब्दों का वाक्यों में प्रयोग कीजिए । (5 अंक)

i) के अलावा ii) कम से कम iii) कितना iv) के सामने v) लेकिन
vi) ही vii) या viii) इसलिए ix) के विषय में x) के द्वारा

B. शुद्ध वर्तनी में लिखिए (5 अंक)

i. दरबारि ii) अथ्यन्त iii) दोश iv) घण्ठे v) हिन्दु

C. निम्नलिखित शब्दों में से दो का सरल अर्थ विवरण हिन्दी में दीजिए । (10 अंक)

i. हस्त मुद्रा ii) सलामी iii) गत भाव

P.T.O.

6) निम्नलिखित गद्य-खण्डों में से <u>किसी</u> <u>एक</u> का सिंहली में अनुवाद कीजिए । (20 अंक)

1) महाराज बिन्दादीन

कथक नृत्य की लखनऊ घराने की परम्परा में सबसे प्रसिद्ध नृत्यावार्य महाराज बिन्दादीन हुए हैं । ये नवाब वाजिद अली शाह के दरबारी नर्तक महाराज ठाकुर प्रसाद जी के बड़े भाई महाराजा दुर्गाप्रसाद जी के तीन पुत्रों में सबसे बड़े थे । इनका पूरा नाम वृन्दावन प्रसाद था । इनका जन्म सन् १८३८ में तथा मृत्यु सन् १९१८ हुई थी ।

नौ वर्ष की अल्पायु में इनकी नृत्य शिक्षा आरंभ हुई । चार वर्ष तक इन्हें केवल ततकार के चार बोलों "तीग दा दिग दिग" का ही अभ्यास कराया गया था, जो नित्य प्रति १२-१२ घण्टे तक चलता रहता था । इसी अभ्यास के बल पर बहुत छोटी उम्र में इन्होंने दतिया के प्रसिद्ध पखवाजी श्री कुदऊ सिंह से भिडंत की थी । ये नई-नई परणें बड़ी शीघ्रता व सरलता के साथ बना लेते थे तथा इनका भाव प्रदर्शन भी अत्यन्त सुन्दर था । ये अनेक प्रकार के चमत्कार पूर्ण नृत्यों को करने में भी अत्यन्त कुशल थे । जैसे-गुलाल बिछाकर नाचते हुए उस पर चित्र बना देना युआ कील-बताशे अथवा तलवार पर नाचना । महाराज बिन्दादीन एक उत्तम कोटि के वाग्येयकार थे । कहा जाता है कि इन्होंने १५०० ठुमरियों का निर्माण करके तथा भाव के साथ उनके अंगों की रचना करके कथक नृत्य को महत्वपूर्ण योगदान प्रदान किया । इनमें से अनेक ठुमरियाँ अब भी गायकों व नर्तकों में प्रचलित है । उस समय की अनेक तवायफों तथा जौहराबाई और जौहारजान जैसी प्रसिद्ध गायिकाओं ने इनसे ठुमरी की शिक्षा प्राप्त की थी ।

2) ईद

हमारे जीवन में त्यौहारों का एक महत्वपूर्ण स्थान है । यदि समय-समय पर त्यौहार न आया करें तो हमारा जीवन एक जैसा बीतने के कारण नीरासा लगने लगे । प्रकृति ने तो हमारे लिए विविधता का प्रबंध कर ही रखा है । प्रत्येक ऋतु की जलवायु, प्राकृतिक छवि, आदि दूसरी ऋतुओं से भिन्न होती है । इस प्रकार नए-नए रूपों में से गुजरने के कारण हमें संसार सदा आकर्षक लगता रहता है ।

जीवन को अधिक रोचक और आकर्षक बनाने के लिए संसार के सभी समाजों में समय-समय पर कुछ पर्व मनाए जाते हैं । इनसे समाज के लोगों के जीवन में एक विशेष चहल-पहल, उत्साह और नई स्फूर्ति आ जाती है । इनमें से अधिकांश पर्वों का संबंध धर्म से जुड़ा हुआ है । हिन्दुओं में होली, दशहरा और दीवाली इस प्रकार के मुख्य आनंददायक त्यौहार हैं । ईसाइयों में क्रिसमस का विशेष महत्व है जो प्रत्येक ईशाई परिवार में नया जीवन और नया उल्लास भर देता है । मुसलमानों के लिए इस प्रकार का विशेष त्यौहार ईद है जो संसार के सभी मुसलमानों को प्रसन्नता, परोपकार और भाईचारे का संदेश देता है ।

इस्लाम धर्म के पैगंबर हजरत मोहम्मद साहब एक मास तक मक्का में एक गुफा में बहूखे-प्यासे रहे थे । उनके अनुयायी मुसलमान इस घटना की याद में आज भी एक महीने का रोजा (व्रत) रखते हैं, जिसे रामजान कहते हैं । लोग दिन भर उपवास कर अपना सारा समय ईश्वर-आराधना में व्यतीत करते हैं । शरीर और मन पर अंकुश रखने के लिए रमजान बहुत उपयोगी है ।

:::::::::::::::::::::: 2023.01.16